



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 380] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 18, 1995/भाद्र 27, 1917
No. 380] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 18, 1995/BHADRA 27, 1917

कल्याण मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1995

सा.का.नि. 641(अ).—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 (1992 का 19) की धारा 11 की उपधारा (1) और धारा 12 के साथ पठित धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (लेखा, संपरीक्षा और वार्षिक रिपोर्ट का वार्षिक विवरण) नियम, 1995 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 (1992 का 19) अभिप्रेत है।

(ख) “लेखा-परीक्षा अधिकारी” से भारत का नियंत्रक-महालेखा परीक्षक या आयोग की लेखाओं की संपरीक्षा के संबंध में उसके द्वारा नियुक्त कोई व्यक्ति अभिप्रेत है ;

(ग) “आयोग” से अधिनियम की धारा 3 के अधीन गठित राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अभिप्रेत है ;

(घ) “वित्तीय वर्ष” से 1 अप्रैल, से प्रारंभ होने वाल और आगामी 31 मार्च को समाप्त होने वाला वर्ष अभिप्रेत है ;

(ङ) “प्ररूप” से इन नियमों में उपाग्रह प्ररूप अभिप्रेत है :

3. आयोग का लेखा :—(1) आयोग के प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये लेखाओं के वार्षिक विवरण आयोग के सचिव या ऐसे अधिकारी द्वारा जो सचिव द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया जाये, तैयार किये जायेंगे ;

(2) आयोग द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित - लेखाओं के वार्षिक विवरण सचिव द्वारा केन्द्रीय सरकार को, ऐसी तारीख तक जो केन्द्रीय सरकार विनिर्दिष्ट करे, प्रस्तुत किये जायेंगे

(3) आयोग केन्द्रीय सरकार को उपगत व्यय और ऐसे व्यय की प्रगति के जिसके वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान उपगत होने की संभावना है, जब कभी केन्द्रीय सरकार अपेक्षा करे, वार्षिक संवीक्षा अपेक्षित करेगा ;

(4) आयोग प्रतिवर्ष, उपयोग प्रमाणपत्र, जिसमें यह प्रमाणित किया गया है हो कि अनुदान का उपयोग उसके निबंधनों और शर्तों के अनुसार किया गया है भी प्रस्तुत करेगा।

- (5) सचिव, आयोग के लेखाओं को बताये रखने का, विषयीय विवरणों और विवरणियों के संकलन का पर्यवेक्षण करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि आयोग के वे सभी लेखा, बहियाँ, संबद्ध बाउचर और अन्य दस्तावेज तथा कागजात, जो लेखा-परीक्षा अधिकारी द्वारा आयोग के लेखाओं की लेखापरीक्षा के प्रमोजन के लिये अपेक्षित हों, उस अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जायेंगे।
- (6) आयोग के लेखा, जिसके अन्तर्गत प्रारंभिक लेखा भी हैं, उसके गठन की तारीख से प्रारंभ "क" में रखे जायेंगे।
- (7) अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट लेखाओं का वार्षिक विवरण सचिव द्वारा हस्ताक्षरित और अधिप्रमाणित किया जायेगा।
- (8) लेखाओं का वार्षिक विवरण उस वर्ष से, जिसके संबंध में लेखा है, आगामी 30 जून को या उससे पूर्व लेखापरीक्षा अधिकारी को प्रस्तुत किया जायेगा और लेखापरीक्षा अधिकारी आयोग के लेखाओं की संपरीक्षा करेगा और उस पर रिपोर्ट देगा।
- (9) संपरीक्षा रिपोर्ट प्राप्त होने पर, आयोग उसमें बताई गई किसी त्रुटि या अन्य अनियमितता

को तत्तुल्य मात्र के भीतर ठीक करेगा और केन्द्रीय सरकार को तथा लेखापरीक्षा अधिकारी को उसके द्वारा उस पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट देगा।

5 आयोग की वार्षिक रिपोर्ट :— (1) आयोग का सचिव या सचिव द्वारा हम निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी अधिनियम की धारा 12 में निर्दिष्ट वार्षिक रिपोर्ट उस विधीय वर्ष में, जिसके संबंध में रिपोर्ट है, आगामी 31 जुलाई को या उससे पूर्व प्रारंभ "क" में तैयार करेगा।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट वार्षिक रिपोर्ट आयोग द्वारा अनुमोदन के पश्चात् सचिव द्वारा हस्ताक्षरित और अधिप्रमाणित की जायेगी।

(3) अधिप्रमाणित रिपोर्ट की प्रतिया सचिव द्वारा उस वर्ष से जिसके संबंध में वार्षिक रिपोर्ट है, आगामी प्रसस्त की समाप्ति पर केन्द्रीय सरकार के अधिनियम की धारा 13 के अधीन यथाअपेक्षित कार्रवाई करने के लिये केन्द्रीय सरकार को समर्थ बनाने के लिये प्रस्तुत की जायेगी।

[फा.सं. 1/13/93-एम सी (डी)]

एम. एम. अट्टमद, संयुक्त सचिव

प्रारंभ—“क”

आयोग का लेखा

[नियम 3(6) देखिए]

31 मार्च—को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये राष्ट्रीय चलसंयुक्त आयोग की प्राप्ति और भुगतान लेखा

प्राप्ति	योजना	वैर-योजना	कुल रकम	भुगतान	योजना	वैर-योजना	कुल रकम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1. प्रारंभिक प्रतिवेदन				आवर्ती व्यय			
(i) हाथ नकदी				1. (क) स्थापन प्रसार			
(ii) बैंक नकदी				1. वेतन (आयोग के अध्यक्ष और सदस्य)			
2. करवाण संस्थान से लब्ध राशि				2. वेतन (अधिकारी और स्थापन)			
अनुदान आवर्ती/अनावर्ती				3. भुक्ति और विशेष सेवाओं के लिये भुगतान			
3. आयोग से प्राप्त राज्य योजना आवर्ती				4. यात्रा व्यय			
(क) विनिधान				(ख) अन्य स्थापन प्रसार			
1. भुमाये गये विनिधान अंकित व्यय				1. कार्यालय व्यय			
2. विनिधान पर व्यय				2. किराया, दर और कर			
3. बैंक खाता और अन्य वित्तीय निषेधों पर व्यय				3. प्रकाशन			
(ख) गवर्नर प्राप्ति							
1. प्रकीर्ण प्राप्ति							
2. आयोग द्वारा प्रसारित फीस, यदि कोई हो							
3. प्रकाशनों का विक्रय							